

सेवा में,

चिकित्सा अनुभाग- 5

विषय: राजकीय चिकित्सालयों/औषधालयों के लिये उपकरण क्रय नीति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-5प/1/52/2008-09/33744 दिनांक 22.10.2008 एवं पत्र सं०-5प/भण्डार/उपकरण क्रय/1/2009/34584 दिनांक 07.09.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (Procurement) नियमावली, 2008 दिनांक 01.05.2008 से प्रवृत्त होने के कारण शासनादेश सं०-1246/चि०-3-2002-122/2002 दिनांक 06.01.2003 के द्वारा चिकित्सालयों/औषधालयों के लिये प्रख्यापित उपकरण क्रय नीति सामयिक नहीं रह गयी है। अतः उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (Procurement) नियमावली, 2008 के आलोक में राजकीय चिकित्सालयों/औषधालयों के लिये उपकरणों को निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन क्रय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1— उपकरणों की अपूर्ति हेतु निविदादात्री फर्म का सम्बन्धित राज्य के उद्योग विभाग में पंजीकरण आवश्यक होगा।
- 2— आपूर्तिकर्ता फर्म का वर्तमान में सम्बन्धित राज्य के व्यापार कर/ट्रेड टैक्स विभाग में पंजीकरण अनिवार्य होगा तथा व्यापार कर/ट्रेड टैक्स जमा किये जाने का नवीनतम प्रमाण पत्र जमा करना होगा।
- 3— आपूर्तिकर्ता प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा उत्पादित उपकरणों की आपूर्ति करने तथा उपकरणों की गुणवत्ता के सम्बन्ध में कोई समझौता नहीं किया जायेगा। महानिदेशक, चिकित्सा स्वा० एवं प०क० उत्तराखण्ड द्वारा क्रय किये जाने वाले उपकरणों को दो श्रेणियों में विभाजित किया जायेगा। प्रथम श्रेणी उन अत्याधुनिक उपकरणों की होगी जिनकी प्रति नग लागत रु० 1.00 लाख या उससे अधिक होगी के लिये आई०एस०ओ० 9000 सिरीज अथवा समकक्ष का प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा। दूसरी श्रेणी उन उपकरणों की होगी जो तकनीकी दृष्टि से सामान्य प्रकृति के हों तथा ऐसे उपकरणों के लिए आई०एस०ओ० 9000 सिरीज अथवा आई०एस०आई० अथवा बी०आई०एस० का प्रमाण पत्र पर्याप्त होगा, लेकिन आई०एस०ओ० 9000 सिरीज के उपकरण को सभी अन्य बिन्दुओं पर बराबरी की स्थिति में अधिमान दिया जायेगा।

4- प्रथम श्रेणी के उपकरणों के क्रय हेतु दरों में उपकरणों के 03 वर्ष की वारंटी तथा 4 वर्ष की सी0एम0सी0 (Comprehensive Maintenance Contract) सम्मिलित होगा, सी0एम0सी0 में लेबर चार्ज, स्पेयर पार्ट्स का मूल्य भी सम्मिलित होगा जिसका भुगतान वारंटी की समय सीमा के समाप्त होने पर किया जायेगा। द्वितीय श्रेणी के उपकरणों पर उपरोक्त 03 वर्ष की शर्त को यथावश्यकता रखा जायेगा। टर्नकी प्रोजेक्ट में वारंटी एवं सी0एम0सी0 की अवधि बढ़ायी जा सकती है।

5- क्रय समिति एक समय में रु0 25.00 लाख तक के क्रय का अनुमोदन कर सकेगी, इससे अधिक का क्रय शासन के अनुमोदन से किया जायेगा।

6- उपकरण क्रय किये जाने के पूर्व उपकरणों का डिमान्ट्रेशन भी देख लिया जाए तथा आपूर्तिकर्ता फर्म उस उपकरण को चलाने का, संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का दायित्व भी लेगी।

7- आपूर्तिकर्ता फर्म का, आफिस/चिकित्सालय फर्नीचर, सर्जिकल सामग्री, चिकित्सा से सम्बन्धित लैब, मेडिकल साहित्य आदि के लिए विगत तीन वर्षों का औसत टर्न ओवर कम से कम रु0 50.00 लाख होना चाहिए तथा यह विभिन्न प्रकार के बड़े उपकरणों व मेडिकल वैन आदि के लिए रु0 5.00 करोड़ प्रतिवर्ष होना चाहिए, किन्तु उत्तराखण्ड में स्थित प्रादेशिक औद्योगिक इकाइयों के सम्बन्ध में उपरोक्त शर्त अनुमन्य नहीं होगी, परन्तु गुणवत्ता मानकों में कोई शिथिलता अनुमन्य नहीं होगी।

8- उत्पादक/आपूर्तिकर्ता फर्म का आपूर्ति करने वाले उपकरणों को बनाने का कम से कम 03 वर्ष का अनुभव अवश्य हो। उत्तराखण्ड की इकाइयों के लिए उक्त अवधि कम से कम दो वर्ष होगी, जो आगामी एक वर्ष तक प्रभावी रहेगी।

9- निविदादात्री फर्म अगर मानक के अनुसार उपकरणों की गुणवत्ता न होने के कारण दण्डित हुयी हो, तो ऐसी फर्म से उपकरणों का क्रय नहीं किया जाए। यदि फर्म किसी राजकीय संस्था द्वारा क्रय प्रक्रिया का अनुपालन न करने के दोष में ब्लैक लिस्ट अथवा अन्य किसी अपराध में दण्डित हुयी हो, तो तब भी फर्म से उपकरणों का क्रय न किया जाए।

10- निविदा प्रपत्र का प्रारूप एवं उसके शुल्क आदि का निर्धारण महानिदेशक की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा नियमानुसार किया जायेगा। निविदाओ को आमंत्रित करने के लिए विशद प्रचार किया जाय तथा निविदा देने की तिथि को ही निविदा में उल्लिखित शर्त यथा स्पेशीफिकेशन, पंजीकरण आदि पूर्ण होना चाहिए।

11— मात्रा अनुबन्ध व दर अनुबन्ध की शर्तें समान होगी।

12— निविदा बाक्स, महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड द्वारा निर्धारित क्रय समिति के समक्ष खोले जायेगे। Technical तथा Financial Bid प्रत्येक फर्म द्वारा दो अलग-अलग लिफाफों में दिये जायेगे। Earnest Money Technical Bid के साथ जमा करनी होगी।

13- निविदा प्रतिभूति अथवा धरोहर धनराशि उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (Procurement) नियमावली, 2008 के अध्याय-2 के प्रस्तर 20(1 से 3) में निर्धारित प्रक्रिया अनुसार ली जायेगी।

14— सख्तिदा में उल्लिखित किसी शर्त के अपूर्ण अथवा उसका उल्लंघन होने पर आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा जमा की गयी कुल अर्नेस्ट मनी/कार्यपूर्ति धरोहर राशि जब्त कर ली जाए।

15— स्पेशल कंडीशन आफ कांट्रेक्ट की सम्मिलित शर्तों को जनरल कंडीशन आफ कांट्रेक्ट से वरीयता दी जायेगी।

16— मात्रा अनुबन्ध के अन्तर्गत उपकरण की मात्रा में 50 प्रतिशत तक कमी या वृद्धि किया जा सकता है। इससे अधिक की मात्रा बढ़ाये जाने की स्थिति में शासन का अनुमोदन अनिवार्य होगा।

17- उत्तराखण्ड की लघु कुटीर उद्योग/खादी/सूक्ष्म उद्यम को क्रय/मूल्य वरीयता 10 प्रतिशत (कर रहित दस प्रतिशत) से अधिक नहीं दी जा सकेगी, जो समय समय पर उद्योग विभाग द्वारा जारी शासनादेश के अधीन होगी।

18— उपकरणों के क्रय हेतु समिति के गठन का स्वरूप निम्नवत् होगा:—

- | | | |
|----|---|------------|
| 1 | महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उत्तराखण्ड। | अध्यक्ष |
| 2 | वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के प्रतिनिधि। | सदस्य |
| 3 | प्रशासकीय विभाग, उत्तराखण्ड शासन के प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव स्तर से कम न हो। | सदस्य |
| 4 | उद्योग विभाग उत्तराखण्ड के प्रतिनिधि जो संयुक्त निदेशक स्तर से कम न हो। | सदस्य |
| 5 | निदेशक (भण्डार) स्वा0सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून। | सदस्य |
| 6 | अपर निदेशक (चि0उप0) स्वा0 सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून। | सदस्य |
| 7 | वित्त नियंत्रक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून। | सदस्य |
| 8 | मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देहरादून। | सदस्य |
| 9 | मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दून चिकित्सालय, देहरादून। | सदस्य |
| 10 | मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, दून महिला चिकित्सालय, देहरादून। | सदस्य |
| 11 | महानिदेशक चि0स्वा0 एवं प0क0 उत्तराखण्ड द्वारा नामित उपकरणों से संबंधित चिकित्सकीय विशेषज्ञ। | सदस्य |
| 12 | अपर/संयुक्त निदेशक (भण्डार), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून। | सदस्य सचिव |

19- उपकरणों का प्रदर्शन (Demonstration) तकनीकी भाव पत्र का भाग होगा अर्थात् प्रदर्शन (Demonstration) में अर्ह पाये जाने पर ही फर्म को तकनीकी रूप से सफल घोषित किया जायेगा।

- 20- उपकरणों के क्रय हेतु तकनीकी क्रय समिति के गठन का स्वरूप निम्नवत होगा:-
- | | |
|---|--------------|
| 1 निदेशक (भण्डार), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड। | अध्यक्ष |
| 2 शासन के चिकित्सा विभाग के प्रतिनिधि | सदस्य |
| 3 शासन के वित्त विभाग के प्रतिनिधि। | सदस्य |
| 4 अपर निदेशक (चि0उप0), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड। | सदस्य |
| 5 वित्त नियंत्रक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून। | सदस्य |
| 6 महानिदेशक, चि0 स्वा0 एवं प0क0 उत्तराखण्ड, द्वारा नामित अन्य तकनीकी विशेषज्ञ | सदस्य |
| 7 अपर/संयुक्त निदेशक (भण्डार), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड। | सदस्य/संयोजक |

- 21- उपकरणों के क्रय हेतु प्रदर्शन समिति के गठन का स्वरूप निम्नवत होगा:-
- | | |
|---|--------------|
| 1 निदेशक भण्डार, स्वास्थ्य महानिदेशालय, देहरादून। | अध्यक्ष |
| 2 शासन के चिकित्सा विभाग के प्रतिनिधि | सदस्य |
| 3 शासन के वित्त विभाग के प्रतिनिधि। | सदस्य |
| 4 मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दून चिकित्सालय, देहरादून। | सदस्य |
| 5 अपर/संयुक्त निदेशक (भण्डार), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय उत्तराखण्ड। | सदस्य/संयोजक |

उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

भवदीय,
(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव

संख्या-1271(1)/XXVIII-5-2008-122/2002 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नालिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्य मंत्रीजी, उत्तराखण्ड।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. सचिव, उद्योग विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
7. गार्ड फाईल।

(सुनीलश्री पांथरी)
उप सचिव